NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2024

Your Path to Success

दिए गए पाठ्यक्रम पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. (क) "भारत का भ्रातृप्रेम" में किस छंद का सर्वाधिक उपयोग किया गया है?

(A) दोहा

(B) चौपाई

(C) कवित्त

(D) सोरठा

उत्तर - (B) चौपाई

अथवा

(ख) श्रीकृष्ण द्वारा गले पर धारण किए गए आभूषण में क्या सुशोभित हो रहा है? सूरदास द्वारा रचित पद के आधार पर लिखिए।

(A) सिंहनख

(B) सिंह

(C) कठुला

(D) वज्र

उत्तर - (A) सिंहनख

2. (क) श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए मीरा ने क्या मूल्य चुकाया है?

(A) धनराशि

(B) मान-सम्मान

(C) कीर्ति

(D) सिंहासन

उत्तर - (B) मान-सम्मान

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) बिहारी द्वारा रचित दोहा "कनक-कनक ते सौगुनी" में किसका नशा धतूरे से भी अधिक है?

(A) भांग का

(B) मदिरा का

(C) पद का

(D) धन का

उत्तर - (D) धन का

3. (क) "बढ़े चलो, बढ़े चलो" कविता में भारतमाता किसके प्रकाश से प्रकाशित है?

(A) सूरज की किरणों से

(B) चंद्रमा की चाँदनी से

(C) स्वयं अपने प्रकाश से

(D) शहीदों के बलिदान से

उत्तर - (D) शहीदों के बलिदान से

अथवा

(ख) "परशुराम के उपदेश" कविता में "चट्टानों की छाती से दूध निकालने" का क्या अर्थ है?

(A) शत्रु पर विजय प्राप्त करना

(B) विपरीत परिस्थितियों का सामना करना

(C) दुर्गम परिस्थितियों का सामना कर लक्ष्य प्राप्त करना

(D) दुर्गम परिस्थितियों का सामना कर आगे बढ़ना

उत्तर - (C) दुर्गम परिस्थितियों का सामना कर लक्ष्य प्राप्त करना

4. "क्या भूलूँ, क्या याद करूँ" कविता के आधार पर लिखिए कि अतीत की दुखद स्मृतियों का कवि पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(A) उसकी आँखें आँसुओं से भर जाती हैं

(B) वह ईश्वर को दोषी ठहराने लगता है

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) वह अपने को सँभाल नहीं पाता

(D) उसका दिल भारी हो जाता है

उत्तर - (D) उसका दिल भारी हो जाता है

5. जंगल और पहाड़ एक-दूसरे के _____ हैं। रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए 'सतपुड़ा के घने जंगल' कविता के आधार पर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

(A) विरोधी

(B) मित्र

(C) पूरक

(D) समानांतर

उत्तर - (C) पूरक

6. "भेड़िया" प्रतीकात्मक नहीं है-

(A) अत्याचारी वर्ग का

(B) शोषक वर्ग का

(C) सत्ताधारी वर्ग का

(D) हिंसक पशुओं का

उत्तर - (D) हिंसक पशुओं का

7. (क) "संयुक्त परिवार" कविता की विषयवस्तु किस पर आधारित नहीं है?

(A) टूटते-बिखरते सामाजिक संबंधों पर

(B) टूटते-बिखरते संयुक्त परिवारों पर

(C) एकल परिवारों के बढ़ते प्रचलन पर

(D) गाँव से शहरों की ओर पलायन पर

उत्तर - (C) एकल परिवारों के बढ़ते प्रचलन पर

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) "संयुक्त परिवार" कविता के संदर्भ में लिखिए कि "अतिथि देवो भव" की हमारी परंपरा क्यों टूट रही है?

(A) एकल परिवार और परिवारवाद के कारण

(B) संयुक्त परिवार और समाजवाद के कारण

(C) जीवन की अति व्यस्तता के कारण

(D) निजी स्वार्थ को अधिक महत्व देने के कारण

उत्तर - (D) निजी स्वार्थ को अधिक महत्व देने के कारण

8. (क) "आग जलनी चाहिए" से कवि दुष्यंत कुमार का आशय है-

(A) शत्रुभाव रहना चाहिए

(B) बदलाव के लिए संघर्ष चेतना होनी चाहिए

(C) सहनशील नहीं होना चाहिए

(D) असहयोग करना चाहिए

उत्तर - (B) बदलाव के लिए संघर्ष चेतना होनी चाहिए

अथवा

(ख) "भेड़िया" कविता संदेश देती है-

(A) पाशविकता के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने की

(B) हिंसक भेड़ियों के विरुद्ध मशाल जलाने की

(C) भेड़ियों जैसे हिंसक पशुओं के खिलाफ एकजुट होने की

(D) पाशविकता और मानवीयता के बीच संतुलन बनाने की

उत्तर - (A) पाशविकता के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने की

9. "चीफ़ की दावत" पाठ में किस भारतीय कला का उल्लेख किया गया है?

(A) गायन

(B) नृत्य

(C) पाक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) फुलकारी

उत्तर - (D) फुलकारी

10. चीफ़ के आगमन पर शामनाथ के सामने सबसे बड़ी समस्या क्या थी?

(A) अतिथियों के खाने-पीने का प्रबंध करना

(B) छोटे से घर में चीफ़ को आमंत्रित करने का संकोच

(C) माँ और चीफ़ का आमना-सामना न हो जाए

(D) चीफ़ के जाने से पहले माँ का सो जाना

उत्तर - (C) माँ और चीफ़ का आमना-सामना न हो जाए

11. "चीफ़ की दावत" पाठ में शामनाथ माँ को हरिद्वार क्यों नहीं भेजना चाहता था?

(A) माँ से बहुत अधिक प्रेम करता था

(B) चीफ़ के लिए फुलकारी बनवाना चाहता था

(C) हरिद्वार आने-जाने का खर्च नहीं करना चाहता था

(D) सामाजिक मान-मर्यादा का भय था

उत्तर - (D) सामाजिक मान-मर्यादा का भय था

12. (क) "पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ" पाठ में वृद्ध साहित्यकारों के उदास होने का क्या कारण था?

(A) युवाओं द्वारा जीवन का आनंद भोगना

(B) स्वयं की शक्ति का क्षीण हो जाना

(C) युवाओं द्वारा देखभाल न किया जाना

(D) मनोवांछित मान-सम्मान का न मिलना

उत्तर – (D) मनोवांछित मान-सम्मान का न मिलना

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) "पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ" पाठ का कथ्य है-

(A) उम्र और अनुभव के महत्व को स्पष्ट करना

(B) युवाओं की कुंठा, अकेलेपन का वर्णन करना

(C) पीढ़ियों के संघर्ष को उजागर करना

(D) वृद्ध साहित्यकारों की स्थिति का वर्णन करना

उत्तर - (D) वृद्ध साहित्यकारों की स्थिति का वर्णन करना

13. सुभद्रा कुमारी चौहान ने अपनी कहानियों में वर्णित किया है-

(A) जीवन और समाज की समस्याओं को

(B) स्त्री जीवन की समस्याओं को

(C) पराधीन भारत की स्थिति को

(D) राजनीतिक जीवन की उथल-पुथल को

उत्तर - (A) जीवन और समाज की समस्याओं को

14. (क) "मैं कन्यादान नहीं करूँगी"- कथन सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व की किस विशेषता को दर्शाता है?

(A) रूढ़िवादी परंपराओं की विरोधी

(B) रीति-रिवाजों की विरोधी

(C) स्त्री स्वतंत्रता की पक्षधर

(D) विद्रोही स्वभाव

उत्तर - (C) स्त्री स्वतंत्रता की पक्षधर

अथवा

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान और महादेवी वर्मा के बीच रिश्ते का आधार है-

(A) परस्पर स्नेह और विश्वास

(B) अनावश्यक बंधनों का विरोध

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) पारंपरिक रूढ़ियों का विरोध

(D) साहित्यकारों के प्रति सहिष्णुता

उत्तर - (A) परस्पर स्नेह और विश्वास

15. (क) "अंडमान डायरी" के आधार पर लिखिए कि सेल्यूलर जेल में बंद भारतीयों की आँखों में एकमात्र स्वप्न क्या था?

(A) जेल से रिहाई

(B) अपनों से मिलन

(C) अपनों की सलामती

(D) देश की आज़ादी

उत्तर - (D) देश की आज़ादी

अथवा

(ख) सेल्यूलर जेल के फाँसी घर में एक-साथ कितने लोगों को फाँसी देने की व्यवस्था थी?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

उत्तर - (C) चार

16. अंडमान द्वीप के समुद्र पर मँडराती चिड़ियों के माध्यम से लेखक ने स्मरण किया है

(A) अंडमान जेल में कार्यरत कर्मचारियों को

(B) आज़ादी के दीवाने स्वतंत्रता सेनानियों को

(C) आज़ादी के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों को

(D) आज़ादी के लिए जीवन देने वाले गुमनाम शहीदों को

उत्तर - (D) आज़ादी के लिए जीवन देने वाले गुमनाम शहीदों को

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

17. "रीढ़ की हड्डी" एकांकी से लिए गए कथन- "आपके लाड़ले बेटे की रीढ़ की हड्डी है भी या नहीं" का आशय है-

(A) शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं

(B) किसी के सामने कुछ कार्य करने का साहस है या नहीं

(C) दृढ़ता से अपनी राय व्यक्त करने का साहस है या नहीं

(D) शारीरिक सुदृढ़ता और मानसिक बल है या नहीं

उत्तर - (C) दृढ़ता से अपनी राय व्यक्त करने का साहस है या नहीं

18. "कुटज" पाठ में हिमालय को देखकर द्विवेदी जी के मन में किसकी मूर्ति स्पष्ट हुई?

(A) समाधिस्थ महादेव की

(B) महादेव के अलक-जाल की

(C) एक ठिगने से शानदार पेड़ की

(D) मस्तमौला व्यक्ति की

उत्तर - (A) समाधिस्थ महादेव की

19. (क) अनौपचारिक पत्र का संबंध है-

(A) अपने संबंधियों या मित्रों से

(B) कामकाजी व्यक्तियों से

(C) स्कूल के प्रधानाचार्य से

(D) सरकारी विभाग से

उत्तर - (A) अपने संबंधियों या मित्रों से

अथवा

(ख) संबोधन और अधोलेख नहीं होता-

(A) परिपत्र में

(B) सरकारी पत्र में

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) ज्ञापन में

(D) अधिसूचना में

उत्तर - (C) ज्ञापन में

20. (क) दिल्ली की हिंदी पर अधिक प्रभाव है-

(A) पंजाबी, हरियाणा का

(B) यू.पी., राजस्थान का

(C) उत्तराखंड, यू.पी. का

(D) हरियाणा, राजस्थान का

उत्तर - (A) पंजाबी, हरियाणा का

अथवा

(ख) किस भाषा में औपचारिकता और सतर्कता अधिक होती है?

(A) मौखिक

(B) लिखित

(C) साहित्यिक

(D) सांकेतिक

उत्तर - (B) लिखित

21. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1 शब्द या 1 वाक्य में दीजिए

(क) "चीफ़ की दावत" कहानी में शामनाथ के घर आए मेहमान माँ का उपहास क्यों उड़ाने लगे?

उत्तर - माँ की साधारण वेश-भूषा और ग्रामीण व्यवहार के कारण।

(ख) "पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ" पाठ किस शैली में लिखा गया है?

उत्तर - व्यंग्यात्मक शैली।

(ग) "अंडमान डायरी" के संदर्भ में "कालापानी" का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - सेल्यूलर जेल का कठोर कारावास।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) कुटज की तुलना राजा जनक से क्यों की गई है?

उत्तर - कुटज की तुलना राजा जनक से इसलिए की गई है क्योंकि वह आसक्ति-रहित, आत्मसंयमी और त्यागी स्वभाव का प्रतीक है।

22. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर सही/गलत में दीजिए ...

(क) औपचारिक और अनौपचारिक दोनों ही प्रकार के पत्रों में आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ होती हैं।

उत्तर - गलत

(ख) पत्राचार भाग के कच्चे प्रारूप को टिप्पण कहा जाता है।

उत्तर - सही

(ग) विशिष्ट प्रयोजन के लिए प्रयुक्त भाषा प्रयोजनमूलक भाषा कहलाती है।

उत्तर - सही

(घ) यूट्यूब वीडियो शेयर करने का एक प्लेटफ़ॉर्म है।

उत्तर - सही

23. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं सात के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए ...

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं,
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है,
वह देश कभी स्वतंत्र नहीं रहता है,
पकड़ो अयाल, अंधड़ पर उछल चढ़ो रे!
किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे!

(क) यह रचना किस कवि की है?

(A) दिनकर

(B) बच्चन

(C) तुलसी

(D) राजेश जोशी

उत्तर - (A) दिनकर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) "अयाल" किसकी होती है?

(A) भेड़िये की

(B) शेर की

(C) खूंखार पशुओं की

(D) अंधड़ की

उत्तर - (B) शेर की

(ग) "आँधियाँ" से तात्पर्य है-

(A) तूफ़ान

(B) शत्रु सेना

(C) क्रांति

(D) स्वतंत्रता सेनानी

उत्तर - (C) क्रांति

(घ) ये पंक्तियाँ किन्हें संबोधित हैं?

(A) देशवासियों को

(B) श्रमिकों को

(C) शहीदों को

(D) पाठकों को

उत्तर - (A) देशवासियों को

(ङ) कौन-सा देश स्वतंत्र नहीं रहता?

(A) आँसू बहाने वाला

(B) रक्त बहाने वाला

(C) संगीनों से डरने वाला

(D) आँधियों से लड़ने वाला

उत्तर - (C) संगीनों से डरने वाला

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(च) कौन-सा लक्षण "वीर" का नहीं है?

(A) शत्रु का सामना करना

(B) कष्टों से उमंगित होना

(C) आँधियों से खेलना

(D) आँसू बहाना

उत्तर - (D) आँसू बहाना

(छ) "अंधड़ पर उछल चढ़ो रे!" का भाव है-

(A) आँधी आने पर भी खेलते रहो

(B) मौसम का ध्यान रखो

(C) शत्रु से सावधान रहो

(D) शत्रुओं पर टूट पड़ो

उत्तर - (D) शत्रुओं पर टूट पड़ो

24. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित किन्हीं सात प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए ...

दूर पर्वतराज हिमालय की हिमाच्छादित चोटियाँ हैं, वहीं कहीं भगवान महादेव समाधि लगाकर बैठे होंगे; नीचे सपाट पथरीली जमीन का मैदान है, कहीं-कहीं पर्वतनंदिनी सरिताएँ, आगे बढ़ने का रास्ता खोज रही होंगी-बीच में यह चट्टानों की ऊबड़-खाबड़ जटाभूमि है-सूखी, नीरस, कठोर! यहीं आसन मारकर बैठे हैं मेरे चिरपरिचित दोस्त कुटज। एक बार अपने झबरीले मूर्धा को हिलाकर समाधिनिष्ठ महादेव को पुष्प स्तवक का उपहार चढ़ा देते हैं और एक बार नीचे की ओर अपनी पाताल-भेदी जड़ों को दबाकर गिरिनंदिनी सरिताओं को संकेत से बता देते हैं कि रस का स्रोत कहाँ है। जीना चाहते हो? कठोर पाषाण को भेदकर, पाताल की छाती चीरकर अपना भोग्य संग्रह करो, वायुमंडल को चूसकर, झंझा-तूफान को रगड़कर, अपना प्राप्य वसूल लो, आकाश को चूमकर, अवकाश की लहरी में झूमकर उल्लास खींच लो। कुटज का यही उपदेश है।

(क) गद्यांश के लेखक का नाम है-

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(B) दुष्यंत कुमार

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) प्रेमचंद

उत्तर - (C) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) गद्यांश के पाठ का नाम है-

(A) रेखा

(B) दो कलाकार

(C) कुटज

(D) जिजीविषा की विजय

उत्तर - (C) कुटज

(ग) हिमालय की चट्टानों पर आसन मारकर कौन बैठा है?

(A) भगवान शिव

(B) कुटज

(C) अलकनंदा

(D) शिवालिक पर्वत

उत्तर - (B) कुटज

(घ) पर्वतनंदिनी किसे कहा गया है?

(A) झंझा-तूफ़ान को

(B) पाताल-भेदी जड़ों को

(C) नदियों को

(D) वनस्पतियों को

उत्तर - (C) नदियों को

(ङ) भगवान महादेव समाधि लगाए कहाँ विराजमान हैं?

(A) कैलास मानसरोवर पर

(B) पथरीली ज़मीन पर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) बर्फ़ से ढकी चोटियों पर

(D) ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर

उत्तर - (C) बर्फ़ से ढकी चोटियों पर

(च) "मूर्धा" का अर्थ नहीं है-

(A) मस्तक

(B) सिर

(C) चोटी

(D) मुर्दा

उत्तर - (D) मुर्दा

(छ) कुटज भगवान शिव को कौन-सा उपहार भेंट करता है?

(B) पत्तियाँ

(D) बेल

(A) पुष्प

(C) फल

उत्तर - (A) पुष्प

(ज) "झंझा" का अर्थ है-

(A) आँधी

(B) हवा

(C) अग्नि

(D) पानी

उत्तर - (A) आँधी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(झ) 'हिमाच्छादित' का संधि-विच्छेद है

(A) हिमा + छादित

(B) हिम + आच्छादित

(C) हिमाच्छा + दित

(D) हिमाच्छ + आदित

उत्तर - (B) हिम + आच्छादित

(ञ) कुटज का वास्तविक संदेश है

(A) कठोर पाषाण को भेदो, अपना भोग्य वसूलो

(B) आँधी-तूफान का सामना कर आगे बढ़ो

(C) पाताल की छाती चीरो, रस प्राप्त करो

(D) विपरीत परिस्थितियों का सामना कर अपना लक्ष्य प्राप्त करो

उत्तर - (D) विपरीत परिस्थितियों का सामना कर अपना लक्ष्य प्राप्त करो

25. व्याकरण संबंधी निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उपयुक्त उत्तर लिखिए

(क) विलोम लिखिए - अनुराग, उत्कर्ष

उत्तर - विलोम शब्द :

- अनुराग → विराग
- उत्कर्ष → अपकर्ष

(ख) उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए - आकलन, मरियल

उत्तर - उपसर्ग और प्रत्यय :

- आकलन → आ (उपसर्ग)
- मरियल → एल (प्रत्यय)

(ग) निम्नलिखित वाक्य में विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए –

आपने उसे क्यों बुलाया

उत्तर - आपने उसे क्यों बुलाया?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करके पुनः लिखिए -

सच में क्या तुमने प्रथम स्थान मिला है?

उत्तर - सच में, क्या तुमने प्रथम स्थान पाया है?

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए - शांति, उज्जवल

उत्तर - शुद्ध रूप : शांति, उज्ज्वल

(च) मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए -

प्रधानाचार्य के आते ही प्रार्थना शुरू हो गई।

उत्तर - जब प्रधानाचार्य आए, तब प्रार्थना शुरू हो गई।

(छ) कर्तृवाच्य में बदलिए -

रूपाली द्वारा कढ़ाई की जाती है।

उत्तर - रूपाली कढ़ाई करती है।

(ज) संधि-विच्छेद कीजिए - देवासुर, पुस्तकालय

उत्तर –

संधि-विच्छेद

देवासुर → देव + असुर

पुस्तकालय → पुस्तक + आलय

(झ) विग्रह सहित समास का नाम लिखिए : नीलकमल या दिनरात

उत्तर - विग्रह सहित समास का नाम :

- 'नीलकमल' में कर्मधारय समास है (विग्रह: नीला है जो कमल)
- 'दिनरात' में द्वंद्व समास है (विग्रह: दिन और रात)

(ञ) "इन" प्रत्यय से दो नए शब्द बनाइए।

उत्तर - ग्रामीण, नवीन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ट) 'ऊँट के मुँह में जीरा' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर -

अर्थ – आवश्यकता की तुलना में बहुत कम होना।

वाक्य – इतनी बड़ी फैक्ट्री के लिए यह धन ऊँट के मुँह में जीरा समान है।

(ठ) 'आमरण' समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?

उत्तर - अव्ययीभाव समास (आमरण = मरण तक)

(ड) 'पर्यावरण' शब्द स्वर संधि के कौन-से भेद का उदाहरण है?

उत्तर - यण् संधि (परि + आवरण → पर्यावरण)

(ढ) 'कुछ' शब्द सर्वनाम के किस भेद का उदाहरण है?

उत्तर - अनिश्चितवाचक सर्वनाम

(ण) रेखांकित भाग का कारक लिखिए :

वह पेंसिल से चित्र बनाता है।

उत्तर - करण कारक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ...

सपनेहुँ दोस कलेसु न काहू।
मोर अभाग उदधि अवगाहू।।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू।
जारिउँ जायँ जननि कहि काकू।।
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा।
एकहि भाँति भलेहिं भल मोरा।।
गुरु गोसाइँ साहिब सिय रामू।
लागत मोहि नीक परिनामू।।

उत्तर -

गुनहूँ दोष..... जननि कह काऊँ॥

- **प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ गोस्वामी **तुलसीदास** द्वारा रचित महाकाव्य ***रामचरितमानस*** से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवि ने अपनी दीन-हीन अवस्था, आत्मग्लानि और प्रभु श्रीराम के प्रति शरणागत भाव को व्यक्त किया है।

- **व्याख्या :** कवि कहते हैं कि संसार में कोई भी व्यक्ति अपने दोषों और कष्टों के लिए दूसरे को दोषी नहीं ठहराता, किंतु मैं इतना अभागा हूँ कि अपने ही दुर्भाग्य के अथाह सागर में डूबा हुआ हूँ। बिना विवेक और समझ के मैंने अपने ही पापों को बढ़ाया है और स्वयं को कष्ट दिया है। मेरी स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि अब मुझे ऐसा लगता है मानो मेरी जननी (माँ) भी मुझे जन्म देने पर पछताती होगी। इन पंक्तियों में कवि ने अपनी अज्ञानता, आत्मग्लानि और पश्चाताप को अत्यंत मार्मिक ढंग से व्यक्त किया है।

- **विशेष :**

1. इन पंक्तियों में दीनता, आत्मग्लानि और पश्चाताप का भाव प्रमुख है।
2. कवि ने स्वयं को दोषी ठहराकर भक्ति की शरणागत प्रवृत्ति को उजागर किया है।
3. भाषा अवधी है, जो सरल, भावपूर्ण और प्रभावशाली है।
4. भाव की तीव्रता के कारण यह अंश पाठक के हृदय को गहराई से स्पर्श करता है।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) आया होगा न जाने किस काम से
वहन जाने कितनी बातें रही होंगी मुझसे
कहने कोचली गई हैं सारी बातें भी लौट
कर उसी के साथरास्ते में हो सकता है
कहीं उसने पानी तक न पिया हो
सोचा होगा शायद उसने कि यहीं मेरे
साथ पिएगा चाय कैसा लगता है इस
तरह किसी का घर से लौट जाना

उत्तर -

आया होगा न.....से लौट जाना

प्रसंग : प्रस्तुत काव्यांश सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन '**अज्ञेय**' द्वारा रचित कविता से लिया गया है इस कविता में कवि ने **मानवीय संबंधों की आत्मीयता, अधूरे संवाद और भीतर की संवेदना** को अभिव्यक्त किया है।

व्याख्या : कवि कल्पना करता है कि वह व्यक्ति न जाने किस उद्देश्य से आया होगा और उसके मन में अनेक बातें रही होंगी, जिन्हें वह कहना चाहता था। परंतु संकोच या परिस्थितियों के कारण वह सब बातें अनकही रह गईं और उसी के साथ लौट गईं। कवि को यह भी लगता है कि वह व्यक्ति रास्ते में पानी तक नहीं पिया होगा, क्योंकि उसने सोचा होगा कि वह यहीं बैठकर कवि के साथ चाय पिएगा और बातचीत करेगा। किंतु ऐसा न हो पाने से कवि के मन में एक गहरी रिक्तता और पीड़ा उत्पन्न होती है। इस प्रकार कविता अधूरे संवाद और मन की उदासी को मार्मिक रूप से प्रस्तुत करती है।

विशेष :

1. सरल भाषा के माध्यम से गहन भावनाएँ व्यक्त की गई हैं।
2. कविता में बाहरी घटना से अधिक **आंतरिक अनुभूति** को महत्व दिया गया है।
3. मानवीय संवेदना, संबंधों की नाजुकता और संवादहीनता का सजीव चित्रण हुआ है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

27. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए ...

(क) गोपियाँ कृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती हैं?

उत्तर - गोपियाँ कृष्ण की बाँसुरी इसलिए छिपा लेती हैं क्योंकि कृष्ण का ध्यान बाँसुरी से हटकर उनकी ओर हो जाए। वे चाहती थीं कि कृष्ण उनसे बातें करें, उनके साथ समय बिताएँ और केवल बाँसुरी में ही मग्न न रहें। गोपियाँ बाँसुरी को अपनी सौतन मानती थीं, क्योंकि कृष्ण हर समय उसी में लीन रहते थे। गोपियाँ जान-बूझकर बाँसुरी देर तक नहीं लौटातीं, ताकि कृष्ण उनके साथ अधिक समय तक बात करे।

(ख) "परशुराम के उपदेश" कविता में स्वतंत्रता का महत्व लिखिए।

उत्तर - "परशुराम के उपदेश" कविता में स्वतंत्रता को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। कवि के अनुसार स्वतंत्रता कठिन संघर्ष और साहस से प्राप्त होती है। इसके लिए मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों से टकराने की शक्ति रखनी चाहिए। स्वतंत्र व्यक्ति ही आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

(ग) "भेड़िया" कविता में भेड़िया का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - "भेड़िया" कविता में भेड़िया शोषक, अत्याचारी और अमानवीय शक्तियों का प्रतीक है। कवि इसके माध्यम से समाज में फैले अन्याय, हिंसा और दमन को उजागर करता है। कविता का संदेश है कि ऐसी शक्तियों के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करना आवश्यक है, तभी मानवता की रक्षा संभव है।

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ...

आँसू से भाग्य पसीजा है, हे मित्र, कहाँ इस जग में?

नित यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते पग-पग में।

कुछ तनिक ध्यान से सोचो, धरती किसकी हो पाई?

मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है।

जग रंगमंच का अभिनय, जो आता सो जाता है।

सचमुच वह ही जीवित है, जिसमें कुछ बल-विक्रम है।

पल-पल घुड़दौड़ यहाँ है, बल-पौरुष का संगम है।

दुर्बल को सहज मिटाकर, चुपचाप समय खा जाता,

वीरों के ही गीतों को, इतिहास सदा दोहराता।

फिर क्या विषाद, भय, चिंता जो होगा सब सह लेंगे,

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

परिवर्तन की लहरों में, जैसे होगा बह लेंगे।

(क) "आँसू से भाग्य पसीजा है"-पंक्ति का आशय क्या है?

उत्तर - "आँसू से भाग्य पसीजा है"-पंक्ति का आशय यह है कि मनुष्य भविष्य और भाग्य को जानना चाहता है, जबकि भाग्य स्वयं अनिश्चित और अज्ञात है। जैसे अंधा व्यक्ति मार्ग नहीं बता सकता, वैसे ही भाग्य से सही उत्तर मिलना कठिन है।

(ख) इतिहास में किसका नाम अमर रहता है और क्यों?

उत्तर - इतिहास में वीरों का नाम अमर रहता है क्योंकि वे साहस और बलिदान का परिचय देते हैं।

(ग) "जग रंगमंच का अभिनय, जो आता सो जाता है"-पंक्ति के माध्यम से जीवन की किस शाश्वतता का उल्लेख किया गया है?

उत्तर - इस पंक्ति के माध्यम से जीवन की क्षणभंगुरता और निरंतर परिवर्तनशीलता को बताया गया है। संसार में जो आता है, वह एक दिन चला जाता है, यही जीवन का शाश्वत सत्य है।

(घ) "मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है"-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - "मधुमास मधुर सचित्र है, पर पतझर भी आता है" पंक्ति का भाव यह है कि जीवन में सुख के साथ-साथ दुःख भी आते हैं। जैसे मधुमास के बाद पतझर आता है, वैसे ही सुख के बाद कठिन समय भी आता है।

(ङ) क्या आपको भी ऐसा लगता है कि समय की दौड़ में दुर्बल व्यक्ति का टिक पाना कठिन है?

उत्तर - हाँ, ऐसा लगता है कि समय की तेज़ दौड़ में दुर्बल व्यक्ति का टिक पाना कठिन होता है, क्योंकि संघर्ष और प्रतिस्पर्धा में वही टिक पाता है जो साहसी, दृढ़ और कर्मठ होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ...

(क) मेरे मन में सावरकर के प्रति पूर्वाग्रह था, क्योंकि उनका संबंध 'हिन्दू महासभा' से रहा। मैंने यह नहीं सोचा कि एक रूप में अपनी अस्मिता की तलाश सांप्रदायिकता नहीं। कम-से-कम ऐसा व्यक्ति सांप्रदायिक नहीं हो सकता, जिसने देशभक्ति की इतनी बड़ी सजा भोगी हो।

उत्तर -

मेरे मन में ..... सजा भोगी हो।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश **"श्रीकांत वर्मा"** द्वारा लिखित **"अंडमान डायरी"** से लिया गया है। इस पाठ में लेखक ने सेल्यूलर जेल और वहाँ बंद स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन, त्याग और संघर्ष का सजीव चित्रण किया है। यहाँ लेखक **विनायक दामोदर सावरकर** के प्रति अपने पूर्वाग्रह और उसके टूटने की बात करता है।

व्याख्या : लेखक स्वीकार करता है कि पहले उसके मन में सावरकर के प्रति नकारात्मक धारणा थी, क्योंकि उनका संबंध हिन्दू महासभा से रहा था। लेखक को लगता था कि यह सांप्रदायिकता का रूप है। परंतु अंडमान में सावरकर के कठोर कारावास और देशभक्ति के लिए भोगे गए कष्टों को जानकर लेखक का दृष्टिकोण बदल जाता है। वह समझ जाता है कि अपनी पहचान और अस्मिता की खोज करना सांप्रदायिकता नहीं है। जो व्यक्ति देश के लिए इतनी बड़ी सजा सह सकता है, उसे सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता।

विशेष-

1. इस पाठ की भाषा बहुत सरल और प्रवाहयुक्त है।
2. डायरी में पूरी ईमानदारी और स्पष्टता के साथ श्रीकांत वर्मा ने सावरकर की उपलब्धि और योगदान को दर्ज किया है।
3. श्रीकांत वर्मा ने बीसवीं सदी के सीमांत वर्षों में स्वयं को सावरकर के प्रकरण में संशोधित किया था। उनमें स्वीकार का साहस था।

अथवा

(ख) उनके मानसिक जगत में हीनता की किसी ग्रंथि के लिए अवकाश नहीं रहा, घर से बाहर बैठकर वे कोमल और ओज भरे छंद लिखने वाले हाथों से गोबर के कंडे पाथती थीं। घर के भीतर तन्मयता से आँगन लीपती थीं, बर्तन माँजती थीं। आँगन लीपने की कला में मेरा भी कुछ प्रवेश था, अतः हम दोनों प्रतियोगिता के लिए आँगन के भिन्न छोरों से लीपना आरंभ करते थे।

उत्तर -

उनके मानसिक जगत ..... आरंभ करते थे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश **महादेवी वर्मा** द्वारा लिखित **संस्मरणात्मक निबंध** सुभद्रा कुमारी चौहान से लिया गया है, इस अंश में लेखिका ने सुभद्रा कुमारी चौहान के स्वाभिमानी, कर्मठ और सहज व्यक्तित्व का चित्रण किया है। यह प्रसंग उनके घरेलू जीवन और मानसिक दृढ़ता से जुड़ा हुआ है।

व्याख्या : लेखिका बताती हैं कि सुभद्रा कुमारी चौहान के मन में कभी हीनता का भाव नहीं था। वे बाहर बैठकर कोमल और ओजपूर्ण कविताएँ रचती थीं, तो घर के भीतर पूरी लगन से गोबर के कंडे पाथतीं, आँगन लीपतीं और बर्तन माँजती थीं। घरेलू कार्यों को वे हीन नहीं समझती थीं। लेखिका स्वयं भी आँगन लीपने में उनके साथ प्रतियोगिता करती थीं। इससे सुभद्रा जी की सरलता, श्रमशीलता और आत्मसम्मान प्रकट होता है।

विशेष-

1. भाषा बहुत सरल और प्रवाहयुक्त है।
2. गद्यांश नारी के **आत्मसम्मान, कर्मठता और सहजता** को उजागर करता है।
3. यह गद्यांश **संतुलित और प्रेरणादायक जीवन-दृष्टिकोण** को प्रकट करता है।

30. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए ...

(क) 'चीफ की दावत' कहानी में शामनाथ अपनी माँ के साथ किस प्रकार का व्यवहार करता है? उससे उसके चरित्र के विषय में क्या पता चलता है?

उत्तर - शामनाथ अपनी माँ के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता। वह माँ की सादगी से शर्म महसूस करता है और उन्हें चीफ से दूर रखना चाहता है। वह माँ की भावनाओं की परवाह नहीं करता। इससे पता चलता है कि शामनाथ स्वार्थी, दिखावटी और अवसर देखकर व्यवहार बदलने वाला व्यक्ति है।

(ख) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

उत्तर - 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का शीर्षक पूर्णतः सार्थक है। रीढ़ की हड्डी व्यक्ति की नैतिक दृढ़ता, आत्मसम्मान और साहस का प्रतीक है। एकांकी में यह बताया गया है कि जो व्यक्ति अन्याय के सामने झुकता नहीं और अपने विचारों पर दृढ़ रहता है, वही सच्चे अर्थों में रीढ़ वाला कहलाता है।

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी को दायित्व क्यों नहीं सौंपना चाहती। इससे युवा पीढ़ी किस प्रकार प्रभावित होती है?

उत्तर - 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी को दायित्व नहीं सौंपना चाहती, क्योंकि वह अपने अनुभव को अधिक महत्त्व देती है और मानती है कि नई पीढ़ी अभी जिम्मेदारी निभाने योग्य नहीं है। इसलिए वह दायित्व सौंपने से बचती है। इससे युवा पीढ़ी स्वयं को उपेक्षित महसूस करती है तथा उनमें निराशा, असफलता और आत्मविश्वास की कमी उत्पन्न हो जाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

31. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आत्मनिर्भरता का अर्थ है-अपने ऊपर निर्भर रहना, जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते, वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है। वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है। आत्मनिर्भर बनकर हार्दिक आनंद प्राप्त करो। स्वावलंबन के अन्य अनेक उदाहरण भी देखने को मिलते हैं। पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों में तो स्वावलंबन कूट-कूटकर भरा है। पौधे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं। सूर्य से प्रकाश, चंद्रमा से रस और धरती से जल प्राप्त कर स्वयं बढ़ते जाते हैं। पशु-पक्षी जरा से बढ़े हुए नहीं कि निकल पड़ते हैं अपने भोजन की तलाश में।

(क) 'आत्मनिर्भरता' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर - आत्मनिर्भरता का तात्पर्य है अपने कार्यों और आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहकर स्वयं पर विश्वास के साथ आगे बढ़ना। आत्मविश्वास के बल पर निरंतर कार्य करते रहना ही आत्मनिर्भरता है।

(ख) गद्यांश में जीवन में सफलता का मूलमंत्र किसे माना गया है और क्यों?

उत्तर - गद्यांश में जीवन में सफलता का मूलमंत्र स्वावलंबन को माना गया है, क्योंकि स्वावलंबी व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ कार्य करता है और व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्त करता है।

(ग) स्वावलंबन के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विशेषण/उपमा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - गद्यांश में स्वावलंबन को "जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी", "सर्वांगीण सफलता का महामंत्र", "जीवन का अमूल्य आभूषण" और "वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव" कहा गया है। ये सभी शब्द स्वावलंबन के लिए प्रयुक्त विशेषण/उपमा हैं, जो इसकी महत्ता को स्पष्ट करते हैं।

(घ) गद्यांश में पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों का उल्लेख क्यों किया गया है?

उत्तर - पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों का उल्लेख इसलिए किया गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि स्वावलंबन प्रकृति में सहज रूप से विद्यमान है और मनुष्य को भी उनसे आत्मनिर्भरता की प्रेरणा लेनी चाहिए।

(ङ) आप सफलता का मूलमंत्र किसे मानते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर - मैं सफलता का मूलमंत्र आत्मनिर्भरता और परिश्रम को मानता हूँ, क्योंकि जो व्यक्ति स्वयं पर विश्वास रखकर निरंतर प्रयास करता है, वही जीवन में स्थायी सफलता और आत्मिक संतोष प्राप्त कर सकता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए

(क) अखिल भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति परिषद् के महानिदेशक की ओर से कार्यालयों में मोबाइल फोन पर होने वाले व्यय के लिए धन-राशि की सीमा निर्धारित करने हेतु परिपत्र लिखिए।

उत्तर –

अखिल भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति परिषद्, नई दिल्ली

परिपत्र संख्या : ए०शि०स०प०/मोबाइल/2026

दिनांक : 22/01/2025

प्रेषक
महानिदेशक
अखिल भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति परिषद्
नई दिल्ली

प्रति,
सभी अधिकारी एवं कर्मचारी
अखिल भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति परिषद्

विषय : मोबाइल फोन व्यय की सीमा निर्धारण।

महोदय,

सूचित किया जाता है कि कार्यालयों में मोबाइल फोन पर होने वाले व्यय हेतु मासिक धन-सीमा निर्धारित की गई है। सभी कर्मचारी निर्धारित सीमा में ही मोबाइल उपयोग करें। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

भवदीय,

(हस्ताक्षर)
महानिदेशक
अखिल भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति परिषद्

प्रतिलिपि :

1. कार्यालय अभिलेख हेतु
2. संबंधित विभागों को सूचना हेतु

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) सरकारी कार्यालय के सहायक अधिकारी द्वारा बी० ए० की पढ़ाई करने हेतु उच्च अधिकारी को टिप्पण लिखा गया था; उसके प्रत्युत्तर में अधिकारी द्वारा टिप्पण लिखिए।

उत्तर -

उक्त टिप्पण के संदर्भ में नितिन को सूचित किया जा सकता है कि उन्हें निम्नलिखित शर्तों पर बी० ए० करने की अनुमति दी जाती है :

1. पढ़ाई के कारण कार्यालय के काम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
2. यह अनुमति लोकहित में बिना कारण बताए किसी भी समय वापस ली जा सकती है।

आदेशार्थ प्रस्तुत है।

हस्ताक्षर.....

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए ...

(क) कार्यालयी हिंदी किसे कहते हैं? इसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - विभिन्न कार्यालयों और प्रशासनिक कार्यों में प्रयुक्त भाषा को कार्यालयी या प्रशासनिक हिंदी कहा जाता है। **इसकी दो विशेषताएँ :**

1. **सरलता और स्पष्टता –** कार्यालयी हिंदी में भाषा सरल, स्पष्ट और औपचारिक होती है, जिससे प्रशासनिक कार्य आसानी से समझे और पूरे किए जा सकें।
2. **तकनीकी शब्दावली –** इसमें प्रशासनिक, कानूनी और तकनीकी शब्दों का प्रयोग किया जाता है, जो सरकारी दस्तावेजों के लिए आवश्यक होते हैं।

(ख) संचार माध्यमों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी पर टिप्पणी लिखिए।

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए ...

(क) मोबाइल फोन विभिन्न संचार माध्यमों का संवाहक है। सिद्ध कीजिए।

उत्तर - मोबाइल फोन आज के समय में विभिन्न संचार माध्यमों का एक महत्वपूर्ण संवाहक बन गया है। इसके माध्यम से वॉयस कॉलिंग द्वारा लोग सीधे संवाद कर सकते हैं। एसएमएस और एमएमएस जैसी सेवाएँ संदेश और मल्टीमीडिया सामग्री के आदान-प्रदान की सुविधा देती हैं। मोबाइल फोन ईमेल का भी प्रभावी संवाहक है, जिससे कहीं भी और कभी भी पत्राचार संभव है। व्हाट्सएप, ज़ूम और स्काइप जैसे अनुप्रयोगों से वीडियो कॉलिंग द्वारा दूरियों को कम किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त संगीत, वीडियो और खेल जैसी सुविधाएँ मोबाइल फोन को संचार और मनोरंजन दोनों का सशक्त संवाहक बनाती हैं।

(ख) गूगल टूल द्वारा देवनागरी लिपि में टाइप करना सरल कैसे हुआ है?

उत्तर - गूगल टूल्स के माध्यम से देवनागरी लिपि में टाइप करना अब अत्यंत सरल और सुविधाजनक हो गया है। गूगल इनपुट टूल्स ने फोनेटिक टाइपिंग की सुविधा देकर अंग्रेजी अक्षरों से हिंदी लिखना आसान बना दिया है, जो स्वतः देवनागरी लिपि में परिवर्तित हो जाता है। इसमें ऑटो-सजेशन और प्रेडिक्टिव टेक्स्ट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे टाइपिंग की गति और शुद्धता बढ़ती है। इसके अतिरिक्त, वॉयस इनपुट की सुविधा द्वारा बोलकर हिंदी टाइप की जा सकती है। मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए गूगल का Gboard कीबोर्ड हिंदी-अंग्रेजी के बीच सरल स्विच और विभिन्न टाइपिंग विकल्प प्रदान करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

OCTOBER-2024

Your Path to Success

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. 'थे कह्यां मुंहोधो म्हाँ कह्या सस्तो, लिया री तराजां तोल' - पंक्ति में तराजू पर तौलकर लेने से क्या अभिप्राय है?

(क) सोच-समझकर निर्णय लेना

(ख) नाप-तोलकर लेना

(ग) वजन करके लिया जाना

(घ) तराजू के पलड़े पर रख लेना

उत्तर - (क) सोच-समझकर निर्णय लेना

2. 'कब को टेरत दीन रट' दोहे में 'सांसारिक हवा लगने' के उलाहने से भक्ति के कौन-से भाव की पुष्टि होती है? उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

(A) सख्य (B) दास्य (C) अंतरंग (D) स्वामी

(क) केवल (B)

(ख) केवल (D)

(ग) केवल (C)

(घ) (B) और (D) दोनों

उत्तर - (ग) केवल (C)

3. 'पदमाकर' द्वारा रचित कविता में किस त्योहार का वर्णन किया गया है?

(क) होली

(ख) वसंत पंचमी

(ग) दीवाली

(घ) दशहरा

उत्तर - (क) होली

4. 'परशुराम के उपदेश' कविता के संदर्भ में 'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' - से क्या अभिप्राय है?

(क) विपरीत परिस्थितियों में अपना लक्ष्य प्राप्त करो

(ख) विपरीत परिस्थितियों में अपना मस्तक ऊँचा रखना

(ग) चट्टानों से अमृत निकालना

(घ) चट्टानों से जलधारा निकालना

उत्तर - (क) विपरीत परिस्थितियों में अपना लक्ष्य प्राप्त करो

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

5. 'आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती है' - पंक्ति में 'आँधी' प्रतीक है:

(क) बाधाएँ **(ख) तेज हवा**

(ग) क्रांति **(घ) बदलाव**

उत्तर - (क) बाधाएँ

6. 'हो गई है पीर पर्वतों सी' - पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि 'पीर का पर्वतों के समान होना' से क्या अभिप्राय है?

(क) अगम्य होना **(ख) ऊँचा होना**

(ग) दुर्गम होना **(घ) विशाल होना**

उत्तर - (घ) विशाल होना

7. 'संयुक्त परिवार' कविता के कवि के घर से कभी कोई बिना मिले क्यों नहीं लौटा?

(क) संयुक्त परिवार होने के कारण

(ख) आवभगत किए जाने के कारण

(ग) घर में ताला नहीं लगे होने के कारण

(घ) घरवालों के सद्व्यवहार के कारण

उत्तर - (क) संयुक्त परिवार होने के कारण

8. 'भेड़िया' कविता में भेड़िया प्रतीकार्थ है:

(क) सामूहिक चेतना का

(ख) हिंसा का

(ग) शोषक वर्ग का

(घ) शोषित वर्ग का

उत्तर - (ग) शोषक वर्ग का

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

9. 'चीफ की दावत' पाठ में शामनाथ किस वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहा है?

(क) सामान्य वर्ग का

(ख) निम्न वर्ग का

(ग) मध्यम वर्ग का

(घ) उच्च वर्ग का

उत्तर - (ग) मध्यम वर्ग का

10. शामनाथ और उसकी पत्नी को पसीना पोंछने की फुर्सत क्यों नहीं थी?

(क) नौकर के अचानक छुट्टी पर चले जाने के कारण

(ख) चीफ की दावत का प्रबंध करने के कारण

(ग) काम करने की आदत न होने के कारण

(घ) घर को व्यवस्थित करने के कारण

उत्तर - (ख) चीफ की दावत का प्रबंध करने के कारण

11. 'चीफ की दावत' पाठ साहित्य की किस विधा में लिखा गया है?

(क) कहानी **(ख) निबंध**

(ग) संस्मरण **(घ) एकांकी**

उत्तर - (क) कहानी

12. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के वयोवृद्ध साहित्यकार जेब में क्या रखकर घूमते थे?

(क) मोटा चश्मा **(ख) निमोनिया की दवा**

(ग) सुनने वाली मशीन **(घ) पाचन चूरन**

उत्तर - (ख) निमोनिया की दवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

13. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में मंदिर में स्थापित देवताओं के नाराज़ होने का क्या कारण था?

(क) युवाओं के द्वारा जीवन का आनंद लेना

(ख) उनका बाग-बगीचों में नहीं घूम पाना

(ग) युवाओं द्वारा उनकी रॉयल्टी का प्रबंध न करना

(घ) पेड़ों पर उनके झंडों का न लग पाना

उत्तर - (क) युवाओं के द्वारा जीवन का आनंद लेना

14. लेखक की दृष्टि में कुटज के पेड़ को 'कूटज' कहना अधिक उचित क्यों है?

(क) अद्‌भुत जिजीविषा के कारण

(ख) मौसम की मार से बेअसर रहने के कारण

(ग) छोटा-सा शानदार वृक्ष होने के कारण

(घ) गिरिकूट पर उत्पन्न होने के कारण

उत्तर - (क) अद्‌भुत जिजीविषा के कारण

15. 'आषाढ़स्य प्रथम दिवसे' में यक्ष ने किन फूलों से मेघों की अभ्यर्थना की थी?

(क) नोलोत्पल **(ख) मल्लिका**

(ग) वकुल **(घ) कुटज**

उत्तर - (घ) कुटज

16. कुटज को 'बडभागी' क्यों कहा गया है?

(क) कालिदास के काम आने के कारण

(ख) रहीम के काम आने के कारण

(ग) रामगिरि पर्वत शर्ङ्खला पर होने के कारण

(घ) फूलों से लदा होने के कारण

उत्तर - (घ) फूलों से लदा होने के कारण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

17. सेल्यूलर जेल की नीचे की चार कोठरियों को 'काल कोठरियाँ' क्यों कहा जाता था?

(क) कैदियों को सबसे पहले वहीं रखे जाने के कारण

(ख) फाँसी दी जाने से पहले कैदियों को वहाँ रखने के कारण

(ग) काल के समान भयानक दिखाई दिए जाने के कारण

(घ) साफ-सफाई का उचित प्रबंध न होने के कारण

उत्तर - (ख) फाँसी दी जाने से पहले कैदियों को वहाँ रखने के कारण

18. अच्छे पत्र का गुण नहीं है :

(क) संक्षिप्तता **(ख) प्रभावशीलता**

(ग) सरलता **(घ) क्लिष्टता**

उत्तर - (घ) क्लिष्टता।

19. टिप्पण पर सहायक किस ओर हस्ताक्षर करता है?

(क) बाईं ओर **(ख) दाईं ओर**

(ग) मध्य में **(घ) ऊपर की ओर**

उत्तर - (क) बाईं ओर

20. 'हमारी सोसायटी में दो गार्ड हैं'- कथन प्रयुक्ति के आधार पर किस भेद के अंतर्गत आता है?

(क) साहित्यिक हिंदी

(ख) कार्यालयी हिंदी

(ग) संचार माध्यम की हिंदी

(घ) सामान्य व्यवहार या बोलचाल की हिंदी

उत्तर - (घ) सामान्य व्यवहार या बोलचाल की हिंदी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए :

(i) अंडमान डायरी' पाठ के लेखक का क्या नाम है?

उत्तर - श्रीकांत वर्मा

(ii) 'कुटज' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'नाम' किसे कहते हैं?

उत्तर - 'कुटज' पाठ के आधार पर 'नाम' वह है जिसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है।

(iii) 'भरत-राम का प्रेम' पाठ किस छंद में लिखा गया है?

उत्तर - चौपाई

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही/गलत में दीजिए :

(i) अद्र्ध सरकारी पत्र प्रथम पुरुष में लिखे जाते हैं।

उत्तर - सही

(ii) कार्यालयी ज्ञापन का प्रयोग किसी मंत्रालय या प्रभाग के भीतरी पत्र व्यवहार में किया जाता है?

उत्तर - सही

(iii) अंतिम राशि प्राप्त करने के लिए सरकारी पत्र लिखे जाते हैं।

उत्तर - सही

23. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त वाले विकल्प को चुनकर लिखिए:

सुनि मुनि बचन राम रुख पाई। गुरु साहिब अनुकूल अघाई।
लखि अपने सिर सबु छरु भारू। कहि न सकहिं कछु करहिं विचारू॥
पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े। नीरज नयन नेह जल बाढ़े।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा। एहि तें अधिक कहौं मैं काहा॥
मैं जानऊँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न काऊ।
मो पर कृपा सनेहु बिसेषी। खेलत खुनिस न कब हूँ देखी॥
सिसुपन तें परि हरेउँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू॥
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही। हारेहुँ खेल जितावहिं मोही॥

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(i) किसके नेत्रों से अश्रु बहने लगे?

(क) राम **(ख) भरत**

(ग) कैकयी **(घ) मुनि**

उत्तर - (ख) भरत

(ii) गुरु वशिष्ठ ने क्या किया?

(क) राम के मन की बात कह दी **(ख) भरत के मन की बात कह दी**

(ग) राम को अयोध्या चलने को कहा **(घ) भरत को चुप रहने को कहा**

उत्तर - (ख) भरत के मन की बात कह दी

(iii) राम के स्वभाव की क्या विशेषता है?

(क) छोटों से प्रेम न करना **(ख) दृढ़ता पूर्वक बोलना**

(ग) गुरुजनों पर क्रोध करना **(घ) अपराधी पर भी क्रोध न करना**

उत्तर - (घ) अपराधी पर भी क्रोध न करना

(iv) 'मो पर कृपा सनेहु विसेषी' पंक्ति में 'मो' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) राम **(ख) भरत**

(ग) लक्ष्मण **(घ) वशिष्ठ**

उत्तर - (ख) भरत

(v) भरत की आँखे सदैव किसकी प्यासी बनी रही?

(क) राम के दर्शनों की **(ख) राम के प्रेम की**

(ग) माता कैकयी के प्रेम की **(घ) राजा दशरथ के प्रेम की**

उत्तर - (ख) राम के प्रेम की

(vi) 'नेह-जल' में कौन-सा अलंकार है?

(क) उत्प्रेक्षा **(ख) अतिशयोक्ति**

(ग) मानवीकरण **(घ) रूपक**

उत्तर - (घ) रूपक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(vii) बड़ों के सम्मुख मुँह न खोलना _____ ।

(क) उनसे डरना है **(ख) उन्हें प्रसन्न रखना है**

(ग) दबाव सहन करना है **(घ) शिष्टाचार की परंपरा है**

उत्तर - (घ) शिष्टाचार की परंपरा है

24. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

हमारे शैशवकालीन अतीत और प्रत्यक्ष वर्तमान के बीच में समय-प्रवाह का पाट ज्यों-ज्यों चौड़ा होता जाता है त्यों-त्यों हमारी स्मृति में अनजाने ही एक परिवर्तन लक्षित होने लगता है, शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हमारा रागात्मक संबंध गहरा होता है, उनकी रेखाएँ और रंग इतने स्पष्ट और चटकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुँधली आँखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रह सकते हैं। पर जिनसे ऐसा संबंध नहीं होता वे फीके होते-होते इस प्रकार स्मृति से धुल जाते हैं कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उनका स्मरण कठिन हो जाता है। मेरे अतीत की चित्रशाला में बहिन सुभद्रा से मेरे सख्य का चित्र पहली कोटि में रखा जा सकता है, क्योंकि इतने वर्षों के उपरांत भी उसकी सब रंग-रेखाएँ अपनी सजीवता में स्पष्ट हैं।

(i) गद्यांश के रचयिता का नाम है :

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी **(ख) महादेवी वर्मा**

(ग) सुभद्राकुमारी चौहान **(घ) राजेन्द्र यादव**

उत्तर - (ख) महादेवी वर्मा

(ii) गद्यांश के पाठ का नाम है :

(क) दो कलाकार **(ख) सुभद्राकुमारी चौहान**

(ग) कुटज **(घ) यक्ष-युधिष्ठिर संवाद**

उत्तर - (ख) सुभद्राकुमारी चौहान

(iii) अतीत और वर्तमान के बीच की समय की खाई बढ़ने पर क्या परिणाम निकलता है?

(क) हमारी स्मृतियों में परिवर्तन आने लगता हैं।

(ख) हमारी स्मृतियाँ धूमिल पड़ने लगती हैं।

(ग) सामाजिक दूरियाँ बढ़ने लगती हैं।

(घ) पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ने लगती हैं।

उत्तर - (ख) हमारी स्मृतियाँ धूमिल पड़ने लगती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iv) 'शैशव की चित्रशाला ..... गहरा होता है' - पंक्ति में प्रयुक्त 'चित्रों' से अभिप्राय है :

(क) व्यक्तियों से **(ख) तस्वीरों से**

(ग) वस्तुओं से **(घ) घटनाओं से**

उत्तर - (घ) घटनाओं से

(v) वार्धक्य का अर्थ है:

(क) जवानी **(ख) बुढ़ापा**

(ग) शैशवावस्था **(घ) सुप्तावस्था**

उत्तर - (ख) बुढ़ापा

(vi) लेखिका और सुभद्राकुमारी के बीच किस प्रकार के संबंध थे?

(क) रागात्मक **(ख) औपचारिक**

(ग) पारीवारिक **(घ) कामकाजी**

उत्तर - (क) रागात्मक

(vii) 'उनकी रेखाएँ और रंग ..... चटकीले होते चलते हैं।' वाक्य में प्रयुक्त 'रेखाएँ और रंग' संकेत करते हैं :

(क) बनावट और दृश्यता की ओर

(ख) रंग-रूप और वेशभूषा की ओर

(ग) जीवन और व्यक्तित्व की ओर

(घ) आकृति और वर्ण-विन्यास की ओर

उत्तर - (ग) जीवन और व्यक्तित्व की ओर

25. व्याकरण संबंधी निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(i) पाच्य, नूतन (विलोम शब्द लिखिए)

उत्तर - विलोम शब्द :

पाच्य - अपाच्य

नूतन - पुराना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) अतिशय, लेखक (उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए)

उत्तर -

अतिशय - उपसर्ग : अति

लेखक - प्रत्यय : क

(iii) अरे तुम प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो गए (विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए)

उत्तर - अरे, तुम प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो गए!

(iv) निरपराधी व्यक्ति को सजा नहीं मिलनी चाहिए। (वाक्य शुद्ध करके पुनः लिखिए)

उत्तर - निरपराधी व्यक्ति को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

(v) एक जंगल में दो शेर रहते थे। (संयुक्त वाक्य बनाइए)

उत्तर - एक जंगल में दो शेर रहते थे, और वे हमेशा शिकार करते थे।

(vi) इतिहासिक, आशिवार्द (शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए)

उत्तर - शुद्ध रूप :

इतिहासिक - ऐतिहासिक

आशिवार्द - आशीर्वाद

(vii) बालक दौड़ता है। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर - दौड़ने का कार्य बालक द्वारा किया जाता है।

(viii) मुरारि, अधः+गति (संधिच्छेद/संधि कीजिए)

उत्तर -

मुरारि = मुर + आरी

अधः + गति = अधोगति

(ix) यथासमय (विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए)

उत्तर - विग्रह सहित समास का नाम :

समास विग्रह - यथा + समय (अव्ययीभाव समास)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(x) अन (प्रत्यय से दो शब्द बनाइए)

उत्तर - 'अन' प्रत्यय से दो शब्द :

1) जीवन
2) पालन

26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i)

सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरुनि चलत रेनु तन-मेडित, मुख दधि लेप किये।
चारु कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिये।
लट-लटकनि मनु मत्त मधुप-गन मादक मधुहिं पिए।
कठुला-कंठ वज्र के हरि-नख राजत रुचिर हिए।
धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख, का सत कल्प जिए।

उत्तर -

सोभित कर नवनीत ..... सत कल्प जिए।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ **सूरदास के पद** से संकलित है। इसके माध्यम से सूरदास जी ने बालकृष्ण के अनुपम सौंदर्य का मार्मिक एवं चित्रात्मक वर्णन किया है। सूर के इस बाल-वर्णन में स्वाभाविकता, सरलता और मनोरमता का अद्‌भुत संयोग है।

व्याख्या : सूरदासजी कहते हैं कि श्रीकृष्ण अभी बहुत छोटे हैं और नंद-यशोदा के घर के आंगन में घुटनों के बल ही चल पाते हैं। श्रीकृष्ण के छोटे से एक हाथ में ताजा माखन शोभायमान है और वह इस माखन को लेकर घुटनों के बल चल रहे हैं। उनका शरीर धूल में लिपटा हुआ है और यह धूल भी उनके सौंदर्य को बढ़ा रही है। उनके मुँह पर दही लिपटा है मानो मुख पर दही लेप कर लिया हो। उनके गाल सुंदर तथा नेत्र चंचल हैं। ललाट पर गोरोचन, तिलक के रूप में प्रयुक्त होने वाला एक सुगंधित पदार्थ, का तिलक लगा है। कृष्ण के बाल घुँघराले हैं। जब वे घुटनों के बल माखन लिए हुए चलते हैं तब घुँघराले बालों की लटें उनके कपोलों पर झूलने लगती हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है मानो भ्रमर मधुर रस का पान करके मतवाले हो गए हैं। उनके गले में पड़े कठुले व सिंहनख से उनका सौंदर्य और अधिक बढ़ गया है। सूरदास कहते हैं कि श्रीकृष्ण के इस बाल रूप के दर्शन यदि एक पल के लिए भी हो जाए तो जीवन सार्थक हो जाए। अन्यथा सौ कल्पों या युगों तक भी जीवन निरर्थक ही है अर्थात् इस रूप-सौंदर्य के दर्शन के बिना अनंतकाल तक जिया गया जीवन भी बेकार है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष-

- कवि ने अनुप्रास और उत्प्रेक्षा अलंकारों की अनुपम छटा बिखेरी है।
- प्रत्येक पंक्ति में नाद-सौंदर्य भी है। ब्रजभाषा का सौंदर्य अनुपम है।
- 'कपोल लोल लोचन', 'मंडित मुख', 'मनु मत्त मधुप' में अनुप्रास और 'लट लटकनि मनु .... मधुहिं पिए' में उत्प्रेक्षा अलंकार है।

अथवा

(ii)

नक्शे में जंगल हैं पेड़ नहीं
नक्शे में नदियाँ हैं पानी नहीं
नक्शे में पहाड़ हैं पत्थर नहीं
नक्शे में देश है लोग नहीं
समझ ही गये होंगे आप कि हम सब
एक नक्शे में रहते हैं।

उत्तर -

नक्शे में जंगल ..... में रहते हैं।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ हिन्दी की पाठ्यपुस्तक में **"नरेश सक्सेना"** द्वारा रचित **'नक्शे'** से अवतरित है। यह कविता हमारे समाज, पर्यावरण और मानवता की वास्तविक स्थिति पर गहरी टिप्पणी करती है।

व्याख्या : कवि यह दिखाते हैं कि नक्शे में किसी स्थान का भौगोलिक विवरण तो होता है, लेकिन उसकी असली सुंदरता और जीवन की विविधता को नहीं दिखाया जा सकता। ये ऐसे नक्शे हैं जिसमें जंगल तो हैं, पर पेड़ नहीं। नदियाँ हैं, पर पानी नहीं। पहाड़ हैं, पर पत्थर नहीं। और तो और इन नक्शों में देश के देश दिखाई पड़ते हैं, पर लोगों का नामोनिशान नहीं है। मतलब भौगोलिक रूप से तो ये चीज़ें मौजूद हैं, किंतु उनका प्राण-तत्व, उनकी जीवंतता गायब है। यह हमारे समाज में शहरीकरण और आधुनिकता के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों के शोषण को दर्शाता है। नक्शे में देश की सीमाएँ तो दिख सकती हैं, लेकिन उसमें लोगों की ज़िन्दगी, संघर्ष और पहचान नहीं होती, जो एक सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण को चुनौती देता है तथा इन नक्शों में मानवीयता एवं संवेदनाएँ की जगह नहीं हैं।

विशेष-

1. नक्शा इस पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा तैयार की गई उन तमाम योजनाओं का प्रतीक हैं ,जिसमें आम लोगों और देशों को शामिल होने के लिए मज़बूर किया जाता है।
2. व्यक्ति, प्रकृति, संवेदना और मानवीयता के लिए कोई जगह नहीं है।
3. कविता में एक खास तरह की नाटकीयता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

27. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(i) 'संयुक्त परिवार' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि अपने घर के लगी पर्ची को देखकर बेचैन क्यों हो उठता है? घर आए अतिथि बिना मिला लौट जाने पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होती है?

उत्तर - कवि अपने घर के दरवाज़े पर लगी पर्ची देखकर बेचैन हो उठता है, क्योंकि यह संयुक्त परिवार के विघटन और आपसी आत्मीयता के अभाव को दर्शाती है। अतिथि का बिना मिले लौट जाना रिश्तों की दूरी को प्रकट करता है। यदि मेरे घर आए अतिथि बिना मिले लौट जाएँ, तो मुझे दुःख होगा और मैं संबंधों को सँजोने का प्रयास करूँगा।

(ii) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ मैं' कवि स्मृतियों के द्वंद्व से मुक्ति की कामना क्यों करता है?

उत्तर - कवि अपनी स्मृतियों के द्वंद्व से इसलिए मुक्ति चाहता है, क्योंकि उसकी यादों में सुख और दुःख दोनों समाए हैं। ये स्मृतियाँ उसे मानसिक रूप से उलझा देती हैं। कवि चाहता है कि वह अतीत के बोझ से मुक्त होकर वर्तमान में जी सके और जीवन में नई दिशा की ओर बढ़ सके।

(iii) 'परशुराम के उपदेश' कविता के संदर्भ में 'दिनकर 'जी की भाषागत विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर - 'परशुराम के उपदेश' कविता में दिनकर जी की भाषा ओजपूर्ण, प्रवाहमयी और तत्सम शब्दों से युक्त है। उनकी भाषा भावानुकूल और प्रभावशाली है। कविता में लयात्मकता, गत्यात्मकता तथा लाक्षणिक अभिव्यक्ति का सुंदर प्रयोग मिलता है, जो वीर रस को प्रभावशाली बनाता है। उदाहरण :

- वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो
- पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो
- किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे !

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जला अस्थियाँ बारी-बारी

चटकाई जिनमें चिंगारी,

जो चढ़ गये पुण्यवेदी पर,

लिए बिना गर्दन का मोल।

कलम, आज उनकी जय बोल।

जो अगणित लघु दीप हमारे

तूफानों में एक किनारे,

जल-जलाकर बुझ गए किसी दिन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

माँगा नहीं स्नेह मुँह खोल

कलम, आज उनकी जय बोल

पीकर जिनकी लाल शिखाएँ

उगल रही सौ लपट दिशाएँ

जिनके सिंहनाद से सहमी,

धरती रही अभी तक डोल

कलम, आज उनकी जय बोल

अंधा, चकाचौध का मारा

क्या जाने इतिहास बेचारा

साखी हैं उनकी महिमा के,

सूर्य चन्द्र भूगोल खगोल।

कलम, आज उनकी जय बोल।

(i) कलम से किनकी जय बोलने के लिए कहा जा रहा है? और क्यों?

उत्तर - कलम से स्वतंत्रता सेनानियों की जय बोलने के लिए कहा जा रहा है। क्योंकि उनके बलिदानों के कारण ही हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है, और उनका संघर्ष हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है।

(ii) 'लिए बिना गर्दन का मोल' का क्या आशय है?

उत्तर - 'लिए बिना गर्दन का मोल' का आशय है कि उन्होंने बिना अपनी जान की परवाह किए हुए, , अपने प्राणों की आहुति दी।

(iii) स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान के साक्षी कौन हैं? और कैसे?

उत्तर - स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान के साक्षी इतिहास, सूर्य, चंद्र, भूगोल और खगोल हैं।

(iv) इतिहास को अंधा क्यों कहा है?

उत्तर - इतिहास को अंधा इसलिए कहा गया है क्योंकि वह कभी भी स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष को पूरी तरह से पहचान और सम्मान नहीं दे सका।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(v) स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमारा क्या कर्त्तव्य है?

उत्तर - हम उनके द्वारा दिए गए स्वतंत्रता के मूल्य और संघर्षों को हमेशा याद रखें और उसे संजोएं।

29. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए :

(i) मेरे मन में सावरकर के प्रति पूर्वाग्रह था, क्योंकि उनका संबंध 'हिंदू महासभा' से रहा। मैंने नहीं सोचा कि एक हिंदू के रूप में अपनी अस्मिता की तलाश सांप्रदायिकता नहीं। कम-से-कम ऐसा व्यक्ति सांप्रद्रायिक नहीं हो सकता, जिसने देशभक्ति की इतनी बड़ी सजा भोगी हो।

उत्तर -

मेरे मन में ..... सजा भोगी हो।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश **"श्रीकांत वर्मा"** द्वारा लिखित **"अंडमान डायरी"** से लिया गया है। श्रीकांत वर्मा सन् 1986 की जनवरी में यह अनुभव करते हैं कि सावरकर स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में जिस कीर्ति के अधिकारी थे; उनसे उन्हें वंचित रखा गया।

व्याख्या : प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक बताते है कि उन्होंने 1986 में यह महसूस करते हैं कि स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर ने जो योगदान दिया, उसका उन्हें उचित सम्मान नहीं मिला। आज़ादी के बाद सत्ता में आए दल ने सावरकर के विचारों को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि उनका संबंध 'हिंदू महासभा' से था। इस कारण उन्हें सांप्रदायिक मान लिया गया। लेखक जब सेल्यूलर जेल में उनकी कोठरी के सामने खड़ा होता है, तो उसे एक तरह का अपराधबोध महसूस होता है, क्योंकि सावरकर को 25-25 साल की सज़ा मिली थी और उन्होंने 9 साल 10 महीने अंडमान की सेल्यूलर जेल में बिताए। 1924 में उन्हें रिहा किया गया, लेकिन शर्त थी कि वे कोई राजनीतिक गतिविधि नहीं करेंगे। उनके जीवन के अंतिम बीस साल अकेलेपन और बदनामी में बीते। लेखक उनकी मूर्ति को देखकर आदरपूर्वक सिर झुका लेते हैं।

विशेष-

- इस पाठ की भाषा बहुत सरल और प्रवाहयुक्त है।
- डायरी में पूरी ईमानदारी और स्पष्टता के साथ श्रीकांत वर्मा ने सावरकर की उपलब्धि और योगदान को दर्ज किया है।
- श्रीकांत वर्मा ने बीसवीं सदी के सीमांत वर्षों में स्वयं को सावरकर के प्रकरण में संशोधित किया था। उनमें स्वीकार का साहस था।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) ये जो ठिगने-से लेकिन शानदार दरख्त गर्मी की भयंकर मार खा-खाकर और भूख-प्यास की निरंतर चोट सह-सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ? सिर्फ जी ही नहीं रहे हैं, हँस भी रहे हैं। बेहया हैं क्या? या मस्तमौला है? कभी-कभी जो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़े काफी गहरे पैठी रहती हैं। ये पाषाण की छाती फाड़कर न जाने किस अतल गह्वर से अपना भोग्य खींच लाते हैं।

उत्तर -

ये जो ठिगने-से ..... खींच लाते हैं।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश प्रसिद्ध निबंधकार **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी** द्वारा रचित निबंध **'कुटज'** से अवतरित है। इसमें लेखक कुटज के स्वरूप, मस्तमौलापन एवं उसकी सहनशीलता को दर्शाता है।

व्याख्या : लेखक बताता है कि शिवालिक पर्वत श्रृंखला सूखी और नीरस है। यहाँ पानी का अभाव रहता है। फिर भी यहाँ जो ठिगने से कुटज के वृक्ष शान से खड़े और जीते हुए दिखाई देते हैं। ये कुटज के वृक्ष भयंकर गर्मी की मार झेलते रहते हैं। ये भूख प्यास की चोट को भी सहते हैं। यहाँ इन्हें भोजन तक प्राप्त नहीं होता। फिर भी जीते हैं। इनकी जीने की प्रशंसा करनी पड़ेगी। ये केवल जीते हीं नहीं, हँसते भी रहते हैं। इन्हें बेहया (बेशर्म) भी नहीं कहा जा सकता। ये तो मस्तमौला हैं। कुछ लोग ऊपर से बेशर्म प्रतीत होते हैं, पर उनकी जड़ें गहरी होती हैं। कुटज के वृक्षों की जड़ें भी गहराई तक गई होती हैं। ये तो पत्थरों की छाती को चीरकर भी अपना भोजन खींच निकाल लेते हैं। गहरी खाई से भी अपना भोग्य खींच लेते हैं। इससे उनकी जीने की इच्छा का पता चलता है।

विशेष-

- कुटज की जीने की इच्छा का वर्णन हुआ है।
- रोचक शैली का अनुसरण किया गया है।
- कुटज के मस्तमौला स्वभाव का वर्णन किया गया है।
- वर्णनात्मक शैली अपनाई गई है।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(i) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में गोपाल प्रसाद लड़कियों की उच्च शिक्षा का विरोध क्यों करते हैं? क्या आप उनके विचारों से सहमत हैं?

उत्तर - गोपाल प्रसाद लड़कियों की उच्च शिक्षा का विरोध इसलिए करते हैं, क्योंकि वे रूढ़िवादी सोच रखते हैं। उनके अनुसार लड़कियों का काम घर सँभालना है, पढ़-लिखकर आगे बढ़ना नहीं। वे शिक्षा को पुरुषों का अधिकार मानते हैं। मैं उनके विचारों से सहमत नहीं हूँ, क्योंकि शिक्षा लड़के और लड़की दोनों के लिए आवश्यक है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) व्यंग्य रचना से आप क्या समझते हैं? 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ एक व्यंग्य रचना है। पुष्टि कीजिए।

उत्तर - व्यंग्य रचना वह होती है, जिसमें समाज की बुराइयों को हँसी और कटाक्ष के माध्यम से दिखाया जाता है। 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' एक व्यंग्य रचना है, क्योंकि इसमें वृद्ध साहित्यकारों के दिखावे, मोह और नई पीढ़ी को अवसर न देने की प्रवृत्ति पर लेखक ने हास्यपूर्ण ढंग से प्रहार किया है।

(iii) 'चीफ की दावत' कहानी का प्रमुख पात्र आप किसे मानते हैं और क्यों?

उत्तर - 'चीफ की दावत' कहानी की प्रमुख पात्र शामनाथ की माँ है, क्योंकि पूरी कहानी उन्हीं के चारों ओर घूमती है। वे त्याग, ममता और सहनशीलता की प्रतीक हैं। बेटे की उन्नति के लिए उन्होंने सब कुछ सहा, फिर भी अपमानित हुईं। उनकी पीड़ा और बलिदान ही कहानी का केंद्र है।

31. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्राणी जगत की सलामती के लिए वायुमंडल के संघटकों का संतुलन अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों से मानवीय कुचेष्टाओं के कारण वैश्विक तापमान में असाधारण वृद्धि का सिलसिला गंभीर मंथन का विषय है। जलवायु परिवर्तन की परिणति तापमान-वृद्धि तक सीमित नहीं है। अन्य विकृतियाँ भी पृथ्वी के सभी-भूभागों में अकाल, ध्रुवीय इलाकों में बर्फ का पिघलना, तूफान, सुनामी आदि के रूप में दिख रही हैं। समुद्री जलस्तर में वृद्धि से जल-जीवन तो डांवाडोल होता ही है, कई समुदाय भी विस्थापन को मजबूर होते हैं।

'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के दौर में ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से बिना लोक सहभागिता के नहीं निपट सकते। घरेलू सामान का फिर से उपयोग, मोटर वाहन व बिजली की कम खपत का अभ्यास, वृक्षारोपण जैसी अनेक युक्तियों से कार्बन उत्सर्जन को घटाना सहज है। पृथ्वी का मौजूदा तापमान पिछले सवा दो सौ वर्षों में डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है और यह सिलसिला थम नहीं रहा है। पेरिस समझौता का लक्ष्य है कि 2030 तक उत्सर्जन आधे तक सीमित रह जाए और 2050 तक शून्य स्तर पर टिक जाए। 'ग्रीनहाऊस' गैसों का उत्सर्जन इतना कम हो कि जीव-जगत साँस ले सकें, सुरक्षित रह सकें।

(i) जलवायु परिवर्तन का असर धरती के तापमान-वृद्धि के साथ अन्य किन आपदाओं के रूप में दिखाई देता है?

उत्तर - जलवायु परिवर्तन का असर तापमान-वृद्धि के साथ-साथ अकाल, ध्रुवीय इलाकों में बर्फ का पिघलना, तूफान, सुनामी आदि के रूप में भी दिखाई दे रहा है।

(ii) समुद्री जलस्तर में वृद्धि के क्या दुष्परिणाम हैं?

उत्तर - समुद्री जलस्तर में वृद्धि से जल-जीवन अस्थिर होता है और कई समुदायों को विस्थापन का सामना करना पड़ता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर - 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का अभिप्राय यह है कि सभी मानव और जीव-जंतु मिलकर पृथ्वी का संरक्षण करें।

(iv) 'शून्य गैस उत्सर्जन' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - 'शून्य गैस उत्सर्जन' का मतलब है कि कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन पूरी तरह से बंद हो जाए, ताकि पृथ्वी का तापमान नियंत्रित किया जा सके और पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

(v) धरती के तापमान वृद्धि को कम करने में आप किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं?

उत्तर - धरती के तापमान वृद्धि को कम करने में निम्न प्रकार से सहयोग कर सकते है:

- घरेलू सामान का पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण।
- मोटर वाहनों और बिजली की खपत को कम करना।
- वृक्षारोपण करना और पेड़ों की देखभाल करना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(i) क.ख.ग. नगर में 'विद्युतीकरण योजना' के संपादन में देरी होने का कारण स्पष्ट करते हुए मुख्य अभियंता अ.ब.स. प्रदेश, राज्य विद्युत परिषद को एक परिपत्र लिखिए।

राज्य विद्युत परिषद, अ.ब.स. प्रदेश

परिपत्र संख्या : 12/2025 **दिनांक :** 12/01/2024

प्रति,

मुख्य अभियंता

अ.ब.स. प्रदेश

विषय : विद्युतीकरण योजना' के संपादन में देरी के संबंध में।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि शिवपुर नगर में विद्युतीकरण योजना बजट में देरी, भारी वर्षा तथा भूमि स्वीकृति में विलंब के कारण प्रभावित हुई है, जिससे कार्य की प्रगति धीमी रही। अतः आपसे अनुरोध है कि आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सहयोग प्रदान करने की कृपा करें, ताकि योजना को शीघ्र पूर्ण किया जा सके।

मुख्य अभियंता

हस्ताक्षर/नाम/पदनाम

प्रतिलिपि :

1. मुख्य अभियंता, राज्य विद्युत परिषद
2. क्षेत्रीय अभियंता, अ.ब.स. प्रदेश
3. वित्त विभाग, राज्य जल विभाग

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) क्रेडिट कार्ड प्राप्ति हेतु अनुरोध करते हुए दीपक/दीपिका की ओर से क.ख.ग. बैंक के प्रबंधक को एक आवेदन पत्र लिखिए।

उत्तर -

सेवा में,

श्रीमान बैंक प्रबंधक

SBI बैंक,

विषय : क्रेडिट कार्ड प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं दीपिका शर्मा, आपके बैंक की नियमित ग्राहक हूँ। मेरी बचत/चालू खाता संख्या 1234XXXXXXX आपकी शाखा में है। मैं क्रेडिट कार्ड प्राप्त करना चाहती हूँ तथा बैंक की सभी शर्तों का पालन करने को तैयार हूँ। आवश्यक दस्तावेज़ संलग्न हैं। कृपया मेरे आवेदन पर विचार कर क्रेडिट कार्ड प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

भवदीय,

दीपिका शर्मा

शिव नगर, नई दिल्ली - 110001

संपर्क नंबर : 97846XXXXX

दिनांक : 13/03/2025

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(i) बैंकिंग क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली हिंदी प्रयुक्तियाँ हमारे दैनिक जीवन में शामिल होने का कारण स्पष्ट करते हुए इसकी दो श्रेणियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – बैंकिंग क्षेत्र हमारे दैनिक जीवन का आवश्यक भाग बन गया है, क्योंकि आज लगभग प्रत्येक व्यक्ति का बैंक से सीधा संबंध है। खाते, ऋण, एटीएम और डिजिटल लेन-देन के कारण बैंकिंग की हिंदी प्रयुक्तियाँ आम हो गई हैं। ये **दो श्रेणियों में** आती हैं-

(1) अंग्रेजी व अरबी-फारसी से आए शब्द, जैसे बकाया और बजट।

(2) संस्कृतनिष्ठ व बोलचाल के शब्द, जैसे आवेदन, मूल्य और मुआवजा।

(ii) संचार माध्यमों में प्रयुक्त होने वाली हिंदी की तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - संचार माध्यमों में प्रयुक्त होने वाली हिंदी की विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

1. **मिश्रित भाषा -** संचार माध्यमों की हिंदी में हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी शब्दों का भी प्रयोग होता है, जिससे भाषा मिश्रित रूप धारण कर लेती है।
2. **विषय-विशेष शब्दावली -** इसमें राजनीति, खेल, तकनीक आदि विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
3. **सरल और बोधगम्य भाषा -** संचार माध्यमों की हिंदी ऐसी होती है जिसे आम जनता आसानी से समझ सके।

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में लिखिए :

(i) 'मानव जीवन में कंप्यूटर ने अपना एक विशेष स्थान बना लिया है।' इस कथन की सत्यता कंप्यूटर के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले किन्हीं चार उदाहरणों द्वारा कीजिए।

उत्तर - मानव जीवन में कंप्यूटर ने अपना एक विशेष स्थान बना लिया है। यह कथन सत्य है आज समाज का लगभग हर व्यक्ति कंप्यूटर को किसी ना किसी रूप में प्रयोग कर रहा है। बैंकिंग क्षेत्र में कंप्यूटर के माध्यम से एटीएम से धन निकासी, ऑनलाइन पैसे भेजना और खाते की जानकारी प्राप्त की जाती है। **बीमा क्षेत्र में** कंप्यूटर द्वारा पॉलिसी जारी करना, किस्तों की गणना और दावों का निपटान किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकें और ऑनलाइन परीक्षाएँ संचालित होती हैं। चिकित्सा क्षेत्र में कंप्यूटर की सहायता से रोगों की जाँच, एक्स-रे, रिपोर्ट तैयार करना और मरीजों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) 'टंकण' से आप क्या समझते हैं? हिंदी भाषा में टंकण किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर - नोटबुक कंप्यूटर पर टंकण करते हुए टाइपराइटर, मोबाइल फोन, कंप्यूटर आदि के कुंजीपटल को दबाकर टेक्स्ट को इनपुट करने की प्रक्रिया को टंकण या 'टाइपिंग' कहते हैं। जैसे "namaste" लिखने पर "नमस्ते" बनता है। **इंस्क्रिप्ट कीबोर्ड** सरकारी मान्यता प्राप्त विधि है, जिसमें हिंदी अक्षर निश्चित क्रम में होते हैं। **फोनेटिक कीबोर्ड** में शब्दों का टंकण उनके उच्चारण के अनुसार किया जाता है। इसके अतिरिक्त **रैमिंगटन कीबोर्ड** पुराने टाइपराइटर लेआउट पर आधारित है और कार्यालयों में प्रयुक्त होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success